भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर
कार्यपत्रिका– अर्थग्रहण

नाम ..... कक्षा .....X..... दिनांक.....

पुजारी! भजन, पूजन,
साधन आराधना
इन सबको किनारे रख दे।
द्वार बंद करके
देवालय के कोने में क्यों बैठा है?
अपने अंधकार में छिपा बैठा,
तू कौन सी पूजा में मग्न है?
आँखें खोल कर देख तो सही
तेरा देवता देवालय में नहीं है।
जहाँ मज़दूर पत्थर फोड़ कर
रास्ता तैयार कर रहे हैं,
तेरा देवता वहीं चला गया है।
वे धूप–बरसात में एक समान
तपते झुलसते हैं,
उनके दोनों हाथ मिट्टी में सने हैं
उनकी तरह सुन्दर परिधान त्यागकर
मिट्टी भरे रास्तों से जा
तेरा देवता देवालय में नहीं है।

उपर्युक्त पंक्तियों को पढ़ कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्र.1. पुजारी देवता को कहाँ तथा किस प्रकार खोज रहा है?

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.2. कवि के अनुसार देवता कहाँ चला गया है?

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.3. इन पंक्तियों में मज़दूरों की कौन सी विशेषताएँ उद्घाटित हुई हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.4. इन पंक्तियों में कवि ने क्या संदेश दिया है?

.....

.....

.....

.....

.....

भारतीय विद्यालय अल वादा अल कबीर

कार्यपत्रिका -अर्थग्रहण

कक्षा X

नाम-..... दिनांक .....

कार्य-कुशलता क्या है और कार्य-कुशल व्यक्ति कौन है, इसकी हम यहाँ पर विवेचना कर लें। कार्य-कुशलता का पहला अंग तो यह है कि हम अपने कार्य को समय से निर्धारित कर उसे अच्छी तरह जानें। हम लोगों में अधिकतर लोग कार्य उठा तो लेते हैं, पर उसे अच्छी तरह जानते नहीं और न जानने का यत्न ही करते हैं। जब सफलता नहीं मिलती, तब अपने को दोष न देकर हम दूसरे को दोष देते हैं, अपना हृदय कलुषित करते हैं और बार-बार कार्य बदलते हुए बड़े संताप में जीवन व्यतीत करते हैं। छोटे-बड़े सभी कामों में यह देखा जाता है। साधारण तौर से शायद यह समझा जाए कि घास छीलना या झाड़ू देना बहुत सरल काम है। संभव है, हममें से बहुत-से लोग उसे ऐसा समझते भी हों, पर यदि उन कामों को आज़माने के लिए किसी वक्त करने की कोशिश करें, तो मालूम हो जाए कि वह कितना कठिन काम है और इसके लिए भी शिक्षा की कितनी आवश्यकता है। हम लोगों में से अधिकतर लोग जो काम करते हैं उसकी एक-एक तफ़सील पर ध्यान नहीं देते और उसमें पूरे तौर से योग्यता और निपुणता प्राप्त करने का यत्न करते हैं। इसी से हमारा काम पूरा नहीं होता, और हमारे हाथ से सब काम निकलते जाने का यही कारण है कि दूसरे लोग उसी काम को ज्यादा अच्छी तरह करते हैं और हम स्वयं उनके काम को अपने काम से ज्यादा पसंद करने लगते हैं। यदि हम लोग अपने-अपने काम के एक-एक अंग को अच्छी तरह समझें और उसमें प्रवीण होने का सदा खयाल रखें, तो हम अपनी और अपने काम, दोनों की बहुत-कुछ वृद्धि और उन्नति कर सकते हैं।

चाहे हम सफाई कर्मचारी हों, दर्ज़ी, धोबी, दुकानदार, क्लर्क या शिक्षक हों; चाहे हम और किसी पद या ओहदे पर हों, हम सबके लिए अपने काम को अच्छी तरह से जानना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम सब विविध कामों को अच्छी तरह से करें, तो हम सब पर जो दीनता छाई रहती है, वह कम हो और जो उदासीनता, लापरवाही और अविवेक हम चारों तरफ देखते हैं वह दूर हो जाए। हम सब कार्य-कुशल हो सकते हैं। कार्य-कुशलता छोटे और बड़े का भेद नहीं जानती। जो कार्य-कुशल होगा, वह आरंभ में कितना ही छोटा क्यों न हो, अवश्य उन्नति करेगा और जो नहीं होगा, वह आरंभ में चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, अवश्य गिरेगा। इस कारण कार्य-कुशलता का प्रधान अंग परिश्रम है। यह संसार परिश्रम का है। जो परिश्रम करने को तैयार नहीं है, वह कुछ नहीं कर सकता। सतत परिश्रम ही हमें आगे ले जा सकता है। सुस्ती पीछे ही ढकेलती जाएगी। हम लोग अपने काम से बहुत जल्दी ही थक जाते हैं, परेशान होकर उसे छोड़ देते हैं, इस कारण हम उन्नति नहीं कर पाते। हमको धुन नहीं है, हममें लगन नहीं है। हम थोड़े से बहुत चाहते हैं, न मिलने पर रुष्ट हो जाते हैं। हम परिश्रम की कमी से अपना काम ठीक तरह नहीं करते।

दिए गए अनुच्छेद को पढ़ कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्र.1. कार्य कुशलता से क्या अभिप्राय है ?

.....

.....

.....

प्र.2. घास खोदने का कार्य किस प्रकार के लोगों के लिए कठिन है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.3. लेखक ने परिश्रम को सफलता के लिए महत्त्वपूर्ण क्यों माना है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.4. लेखक ने काम को आरम्भ करने के पूर्व उसे जानने पर बल क्यों दिया है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.5. किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

.....

.....

.....

.....

प्र.6. उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

.....

1. अपने विद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखकर सांयकालीन खेलों की उचित व्यवस्था करने का अनुरोध कीजिए।

2. अगले सप्ताह विद्यालय में हिन्दी भाषण प्रतियोगिता होने वाली है। छात्र परिषद् के अध्यक्ष की ओर से सूचना लिखकर जानकारी दीजिए।

3. मिनरल वाटर के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।